ग. अनुज्ञप्ति की मंजूरी के तथ्य—(क) मूल्यांकन टीम मूल्यांकन के बाद गुणता-तंत्र प्रमाणन योजना के प्रचालन के लिए आवेदक की सक्षमता का विश्लेषण करेगी ।

(ख) मूल्यांकन टीम ने गुणता-तंत्र संबंधी जिस सम्बद्ध भारतीय मानक के अनुसार मूल्यांकन किया है, वह उसकी प्रत्येक मदों अथवा खंडों से सम्बन्धित विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी । रिपोर्ट की एक प्रति आवेदक को उसकी स्वीकृति के लिए भेजी जाएगी तथा उसके साथ आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पादों से संबंधित गुणता मूल्यांकन अनुसूची अथवा गुणता योजना प्रलेख भी भेजा जाएगा ।

(ग) आवेदक को प्रमाणित करना होगा कि ब्यूरो द्वारा निर्धारित समय सीमा में संबद्ध अपेक्षाओं के बारे में सही कार्यवाही कर दी गई है। ब्यूरो पूर्ण अथवा आंशिक पुनर्मूल्यांकन कर सकता है अथवा यह लिखित घोषणापत्र स्वीकार कर सकता है कि सुधारात्मक उपाय कर लिये गये है, जिनकी संनिरीक्षण दौरे में पुष्टि कर दी है।

(घ) यदि ब्यूरो अनुज्ञप्ति की मंजूरी के लिए मूल्यांकन टीम की सिफारिशों से संतुष्ट हो जाए, तो प्रपत्र 5 के अनुसार अनुज्ञप्ति मंजूर कर दी जाये । सिफारिश करते समय टीम मद ख के उपखंड (i) से (iii) तक के अन्तर्गत किए गए मूल्यांकन और अपेक्षित कौशल, उपस्कर, तंत्र, संसाधन, पूर्व निष्पादन और अनुज्ञप्ति निर्गम से संबंधित पूर्ववृत्त को भी ध्यान में रखेगा ।

ङ. वचन—अनुज्ञप्ति की मंजूरी से पूर्व, आवेदक लिखित में यह वचन हस्ताक्षरित करके देगा कि वह कोई ऐसा दावा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से नहीं करेगा कि मंजूरी की जाने वाली अनुज्ञप्ति, अनुज्ञप्ति तथा अनुसूची में उल्लिखित उत्पादों या प्रसंस्करणों के अलावा किसी अन्य उत्पाद अथवा प्रसंस्करण के लिए है।

च. गुणता-तंत्र प्रमाणन के लिए अनुज्ञप्ति की मंजूरी—

(क) ब्यूरो आवेदक को अनुज्ञप्ति की मंजूरी के बारे में सूचित करेगा।

(ख) ब्यूरो प्रपत्र 5 में अनुज्ञप्ति की मंजूरी का प्रमाणपत्र उपलब्ध कराएगा, जिसे अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विनियम 7 के उप विनियम (1) के मद ट के उपबंधों के अनुसार उपयोग में लाया जाएगा।

(ग) अनुज्ञप्ति को उसके समर्पण, उसका नवीकरण न किए जाने, उसके निलम्बन अथवा निरस्तीकरण की स्थिति में ब्यूरो को लौटा दिया जाए।

(घ) ब्यूरो अनुज्ञप्तिधारी का इस आशय का पंजीकरण करेगा कि उसके पास उत्पाद अथवा उत्पाद के विनिर्माण में काम आने वाले प्रसंस्करणों के लिए योजना की मंजूरी मूल्यांकन संबंधी अपेक्षाओं के अनुसार गुणता-तंत्र है।

(ङ) ब्यूरो, अनुज्ञप्तिधारी को अपने द्वारा निर्धारित रीति से मद ञ के उपबंधों के अनुसार मानक मुहर का उपयोग करने के लिए प्राधिकृत करेगा।

छ. अनुज्ञप्ति फीस—(क) अनुज्ञप्ति फीस ब्यूरो द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जायेगी, जिसमें संनिरीक्षण की लागत, नियमित पुनरीक्षा तथा प्रशासनिक खर्चे शामिल होंगे तथा जिसे राजपत्र में अनुसूची के रूप में प्रकाशित किया जायेगा।

(ख) पहले वर्ष की वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस आवेदक को अनुज्ञप्ति की स्वीकृति के समय देनी होगी तथा उसके बाद प्रतिवर्ष वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस अग्रिम रूप से देनी होगी। इस प्रकार की कोई भी फीस अथवा इसका कोई भी भाग प्रतिदेय नहीं होगा।

(ग) अनुज्ञप्ति प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार नवीकृत की जायेगी। नवीकरण अनुज्ञप्तिधारी की सक्षमताओं का पुनर्मूल्यांकन करते हुए किया जायेगा जिसकी फीस अनुज्ञप्तिधारी द्वारा दी जायेगी।

ज. संनिरीक्षण तथा नियमित पुनरीक्षा—(क) अनुज्ञप्ति की स्वीकृति के बाद संनिरीक्षण दौरे किए जाएंगे। दौरों की बारंबारता तथा सीमा ब्यूरो द्वारा निर्धारित की जाएगी।

(ख) अनुज्ञप्तिधारी का बिना किसी पूर्व सूचना के संनिरीक्षण दौरा किया जा सकता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पहले मूल्यांकित तंत्र और कार्यविधियां ठीक तरह से बनाये रखे जा रहे हैं।

(ग) यदि अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति की शर्तों का अनुपालन करने में विफल रहे अथवा उसने अपने संगठन में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन कर लिया हो तो विशेष पुनर्मूल्यांकन दौरा करना आवश्यक होगा। अनुज्ञप्तिधारी को ऐसे विशेष दौरों का खर्च उठाना होगा।

झ. गुणता-तंत्र में परिवर्तन—(क) अनुज्ञप्तिधारी ब्यूरो को गुणता-तंत्र में वांछित परिवर्तन अथवा ब्यूरो द्वारा निर्धारित अपेक्षाओं के प्रति अनुरूपता को प्रभावित करने वाले अन्य परिवर्तनों के बारे में तुरन्त सूचित करेगा।

(ख) अनुज्ञप्तिधारी को वांछित परिवर्तनों के पुनर्मूल्यांकन या आगे जांच के बारे में ब्यूरो का निर्णय स्वीकार करना होगा।

(ग) ब्यूरो गुणता-तंत्र कार्यविधियों में किए गए किसी परिवर्तन की तत्काल सूचना देगा।

ञ. ब्यूरो की मानक मुहर का उपयोग—अनुज्ञप्तिधारी ब्यूरो की मानक मुहर का उपयोग उसको प्रदत्त प्राधिकार के अनुसार ही कर सकता है।

ट. प्रचार—(क) ब्यूरो अनुज्ञप्तिधारियों की सूची रखेगा तथा उसे जन-साधारण की सूचना के लिए उपलब्ध करायेगा।

(ख) सूची समय-समय पर अद्यतन की जाती रहेगी।

(ग) ब्यूरो अनुज्ञप्तिधारियों की जानकारी देने वाला प्रकाशन भी निकालेगा।

(घ) अनुज्ञप्तिधारी सम्भावित ग्राहकों, क्रेताओं अथवा क्रेता प्राधिकरणों को अनुज्ञप्ति का पूर्ण तथा सही विवरण सूचित कर सकता है।

(ङ) अनुज्ञप्तिधारी अपने परिसर में अनुज्ञप्ति को प्रदर्शित कर सकता है।

(च) अनुज्ञप्तिधारी ब्यूरो की मानक मुहर का उपयोग उसको प्रदत्त प्राधिकार के अनुसार ही कर सकता है।

(छ) अनुज्ञप्तिधारी प्रलेखन विवरणिका या प्रचार माध्यम में यह उल्लेख कर सकता है कि जिस संगठन अथवा स्थान के लिए अनुज्ञप्ति लागू है, उसका ब्यूरो द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन किया गया है।

इस प्रकार के विज्ञापन में वह गुणता-तंत्र संबंधी उस भारतीय मानक का उल्लेख करेगा जिसके प्रति अनुरूपता के लिए अनुज्ञप्ति मंजूर की गई है। इसके लिए अनुज्ञप्ति मंजूरी के स्तर से उच्च स्तर की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

(ज) जिस अनुज्ञप्तिधारी को गुणता-तंत्र प्रमाणन के लिए अनुज्ञप्ति दी गई है, वह तब तक यह दावा नहीं करेगा कि उसके द्वारा निर्मित उत्पाद ब्यूरो द्वारा प्रमाणित तथा अनुमोदित है, जब तक उसके पास ब्यूरो की मान्य उत्पाद प्रमाणन योजना के अन्तर्गत उस उत्पाद के लिए वैध अनुज्ञप्ति न हो।

ठ. अनुज्ञप्तिधारी के कर्तव्य—गुणता तंत्र प्रमाणन की अनुज्ञप्ति की मंजूरी के बाद अनुज्ञप्तिधारी

(क) हर समय अनुज्ञप्ति में विहित अपेक्षाओं और इन विनियमों अथवा इनके किसी भी संशोधन का अनुपालन करेगा,

(ख) केवल यही दावा करेगा कि उसके पास अनुज्ञप्ति के विषय से संबंधित सक्षमता, जो अनुज्ञप्ति की अपेक्षाओं के अनुसार उत्पादों अथवा प्रसंस्करणों से संबंधित है, के बारे में अनुज्ञप्ति है,

(ग) अनुज्ञप्ति का प्रयोग किसी ऐसी रीति से न करेगा, जिससे ब्यूरो को आपत्ति हो तथा अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अनुज्ञप्ति के प्रयोग के बारे में कोई ऐसा वक्तव्य न दे, जो ब्यूरो की राय में गुमराह करने वाला हो,

(घ) ब्यूरो को वह प्रपत्र अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करेगा जिसमें वह अपनी अनुज्ञप्ति का उपयोग करना चाहता हो अथवा अनुज्ञप्ति का संदर्भ देना चाहता हो,

(ङ) अनुज्ञप्ति के निलंबन अथवा उसकी वैधता की समाप्ति जो किसी भी प्रकार की गई हो, पर इसका उपयोग करना तुरंत बन्द कर देगा तथा उसका संदर्भ देने वाली सभी विज्ञापनात्मक तथा प्रचार सामग्री को वापस ले लेगा,

(च) ब्यूरो की पूर्वानुमति के बिना गुणता-तंत्र, जो अनुज्ञप्ति की मंजूरी का आधार है, में कोई ऐसा परिवर्तन नहीं करेगा जिससे योजना के अनुपालन में बाधा उत्पन्न हो,

(छ) ब्यूरो के गुणता मैनुअल तथा गुणता योजना में किए जाने वाले किसी संशोधन को सूचित करेगा,

(ज) गुणता-तंत्र में किये सभी परिवर्तनों का रिकार्ड रखेगा तथा ब्यूरो के सभी पदाभिधानित अधिकारियों को अनुरोध करने पर ऐसे परिवर्तनों के रिकार्ड उपलब्ध कराएगा। अनुज्ञप्तिधारी ब्यूरो को गुणता आश्वासन तथा प्रौद्योगिकीय कार्य करने वाले प्रमुख कार्मिकों तथा उक्त प्रबंध-तंत्र में परिवर्तन की सूचना देगा,

(झ) ब्यूरो द्वारा मूल्यांकन, लेखा परीक्षा अथवा अनिरीक्षण के लिए नियुक्त दल को अभिगम की अनुमति देगा। अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति में सम्मिलित उत्पादों अथवा प्रसंस्करणों में दोषों के आरोपों में उठने वाली स्थानिक समस्याओं के बारे में की गई सभी प्रकार की कार्रवाई का पूरा विवरण देगा तथा ब्यूरो के अधिकारियों को ऐसे विवरण की जांच करने के लिए संबद्ध अभिलेख तथा प्रवेश उपलब्ध कराएगा,

(ञ) अनुज्ञप्ति में शामिल उत्पादों अथवा प्रसंस्करणों के सतत प्रचालन के बारे में प्रमाण प्रस्तुत करेगा। अनुज्ञप्तिधारी ऐसे प्रचालनों के तीन महीने से अधिक की अवधि तक बन्द रहने पर ब्यूरो को लिखित में सूचना देगा। प्रचालन के छः महीने या इससे अधिक की अवधि तक बन्द रहने पर अनुज्ञप्ति निरस्त की जा सकती है। ऐसे मामलों में ब्यूरो को एक नया आवेदन किया जाय तथा नई अनुज्ञप्ति की मंजूरी से पहले मूल्यांकन जैसा करना आवश्यक होगा,

(ट) अनुज्ञप्ति प्रचालन के बन्द रहने अथवा इसके निलंबन की अवधि को मिलाकर ब्यूरो को, इस द्वारा निर्धारित रीति से सभी वित्तीय देयताओं का भुगतान करेगा।

ड. अनुज्ञप्ति का समर्पण—अनुज्ञप्तिधारी ब्यूरो को अपनी अनुज्ञप्ति किसी भी समय लिखित रूप में समर्पित कर सकता है तथा ब्यूरो को अनुज्ञप्ति और संबंधित प्रवेश लौटा सकता है।

ढ. ब्यूरो की शक्तियां—ब्यूरो, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 की धारा 15 के उपबंधों के अधीन अपने विवेक के आधार पर—

(क) अनुज्ञप्ति की मंजूरी, इसके नवीकरण, विषय-क्षेत्र को बढ़ाने से इंकार कर सकता है अथवा इसे निरस्त कर सकता है अथवा इसके विषय-क्षेत्र को कम करने के लिए कोई परिवर्तन कर सकता है। परन्तु ऐसे इंकार, नवीकरण, निरस्तीकरण अथवा परिवर्तन की सिफारिश मूल्यांकन दल के अधिकांश सदस्यों ने की हो, जिसके बारे में ब्यूरो के महानिदेशक का निर्णय अंतिम होगा। अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इंकार अथवा मद 7 के अंतर्गत कर्तव्यों के निर्वहन करने में असफल रहने पर उसका निरस्तीकरण पर्यवेक्षण के दौरान मूल्यांकन लेखा परीक्षा और नियमित पुनरीक्षण के आधार पर किया जाएगा। ऐसे निर्णयों के बारे में आवेदक अथवा अनुज्ञप्तिधारी को लिखित रूप में सूचित किया जायेगा।

(ख) अनुपालन से विचलन के निम्नलिखित प्रकृति के पर्याप्त आधार होने पर ब्यूरो कोई भी प्राधिकृत अधिकारी अनुज्ञप्ति निलंबित कर सकेगा :

(1) यदि पर्यवेक्षण से संबद्ध अपेक्षाओं के प्रति अनुपालना से विचलन सिद्ध हो जाए, किन्तु तत्काल समाप्ति अनिवार्य न समझी जाये;

(2) यदि अनुज्ञप्ति, संबद्ध दस्तावेजों के अनुचित उपयोग का समाधान ब्यूरो की संतुष्टि के अनुसार न किया जाए;

(3) यदि ब्यूरो द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं का किसी तरह उल्लंघन किया गया हो;

(4) यदि अनुज्ञप्तिधारी ब्यूरो के प्रति वित्तीय देयताओं के पूरा करने में असफल रहे;

(5) अन्य किन्हीं आधारों पर, जो प्रक्रियाओं, नियमों में विशेष रूप से दिए गए हों अथवा जिन पर अनुज्ञप्तिधारी और ब्यूरो के बीच पहले ही सहमति हो गई हो।

(ग) यदि कोई अनुज्ञप्ति निलंबित या निरस्त कर दी गयी हो अथवा इसकी वैधता की अवधि की समाप्ति पर उसका नवीकरण न किया गया हो, तो अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति का उपयोग तत्काल बंद कर देगा तथा अनुज्ञप्ति तथा संबद्ध दस्तावेज ब्यूरो को लौटा देगा, चाहे उसके लिए भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम की धारा 16 के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के समक्ष कोई अपील लंबित क्यों न हो।

(घ) यदि अनुज्ञप्तिधारी समुचित समयावधि में, किसी ऐसी कमी, जो उसे इस योजना की अपेक्षाओं के अनुपालन में बाधा पहुंचाती हो, दूर करने में असमर्थ रहता है, तो उसकी अनुज्ञप्ति निरस्त कर दी जाए। ऐसे मामलों में अनुज्ञप्ति के निरस्त होने पर अनुज्ञप्तिधारी को नयी अनुज्ञप्ति की मंजूरी के लिए नया आवेदन देना होगा और इन नियमों में निर्धारित प्रक्रिया को पूरा करना होगा।

ण. अनुज्ञप्ति का दुरुपयोग—यदि अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित के तुरन्त बाद अनुज्ञप्ति तथा ब्यूरो की मानक मुहर का प्रदर्शन अथवा उसका अन्यथा उपयोग करना बन्द न करे, तो यह समझा जाएगा कि उसने अनुज्ञप्ति का दुरुपयोग किया है :

(क) अनुज्ञप्ति के समर्पण, निलंबन अथवा निरस्तीकरण पर;

(ख) अनुज्ञप्तिधारी ने अपने गुणता-तंत्र में ऐसा परिवर्तन किया हो, जिसे ब्यूरो ने स्वीकार न किया हो तथा जिससे अनुज्ञप्तिधारी की अनुज्ञप्ति के लिए अर्हता प्रभावित होने की आशंका हो;

(ग) अनुज्ञप्तिधारी ब्यूरो द्वारा सुझाए गए परिवर्तनों को लागू करने में असफल रहा हो;

(घ) कोई अन्य आधार, जिससे अनुज्ञप्तिधारी के गुणता तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो;

अपील—ब्यूरो के निर्णय के विरुद्ध अपील भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 की धारा 16 तथा उसके अंतर्गत बनाये गये नियमों के उपबंधों के अधीन की जा सकेगी।

उक्त विनियमों के प्रपत्र 1 में, 11 (ख) के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"(ग) मुझे/हमें भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 के अधीन किसी न्यायालय द्वारा दोषी करार नहीं दिया गया है न ही मेरे/हमारे विरुद्ध कोई अभियोजन लंबित है।

अथवा

उक्त अधिनियम के अधीन दोषसिद्धि/लम्बित अभियोजन का विवरण निम्न प्रकार है :—

(घ) मुझे/हमें ब्यूरो द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम का उल्लंघन में की गई किसी कार्यवाही के लिए कभी भी चेतावनी/सलाह नहीं दी गई है।

अथवा

मुझे/हमें भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम का उल्लंघन करने पर दी गई चेतावनी/सलाह का विवरण निम्न प्रकार है :—

प्रपत्र 3

[देखें विनियम 7 (1) क (क)]

भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986

के अधीन

गुणता तंत्र प्रमाणन के लिए

मानक मुहर का प्रयोग करने के लिए अनुज्ञप्ति की मंजूरी के लिए आवेदन

महानिदेशक
भारतीय मानक ब्यूरो
मानक भवन
9 बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली-110002

1. मैं/हम जो———(व्यक्ति अथवा फर्म का पूरा नाम) के नाम से———(कारबार का पूरा पता) में कारबार चला रहा हूं/रहे हैं, एतद्द्वारा IS———के अनुरूप गुणता तंत्र के संदर्भ में भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 के अधीन गुणता तंत्र प्रमाणन के लिए अनुज्ञप्ति की मंजूरी के लिए आवेदन करता हूं/करते हैं। उत्पादों/उत्पाद श्रेणियों/प्रसंस्करणों का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

2. ———(पता) में स्थित परिसर में———(कारखाने का नाम) द्वारा उपरोक्त उत्पादों/उत्पाद श्रेणियों का विनिर्माण किया जाता है/उपरोक्त प्रसंस्करण चलाया जाता है।

3. (क) मेरी/हमारी फैक्टरी के शीर्ष प्रबंध तंत्र की संरचना निम्न प्रकार है :

क्रम सं.	नाम	पदाभिधान

(ख) मैं/हम उपरोक्त संरचना में किसी परिवर्तन की, जैसे ही वह होती है, सूचना देने का वचन देता हूं/देते हैं।

4. मैं/हम फर्म अथवा सोसायटियों के रजिस्ट्रार/तकनीकी विकास महानिदेशालय/उद्योग निदेशक द्वारा जारी किए गए निगमन प्रमाण पत्र अथवा फर्म के नाम तथा उसके निर्माण परिसर को अधिप्रमाणित करने वाले वैसे ही अन्य दस्तावेजों की अनुप्रमाणित प्रति/फोटो प्रति संलग्न करता हूं/करते हैं।

5. नियोजित तकनीकी कार्मिकों के ब्यौरे :

क्रम सं.	नाम	अर्हता	कार्य

6. जिन उत्पादों/उत्पाद श्रेणियों का हम विनिर्माण करते हैं या जो प्रसंस्करण हम चलाते हैं उनमें गुणता तंत्र का प्रचालन सुनिश्चित करने के लिए मैं/हम ब्यूरो द्वारा तैयार की गई गुणता मूल्यांकन अनुसूची का उपयोग करने का प्रस्ताव रखता हूं/रखते हैं।

अथवा

मैं/हम हमारे द्वारा तैयार किए गए तथा भा मा ब्यूरो द्वारा अनुमोदित किए जाने वाले गुणता मैनुअल तथा गुणता योजना (प्रति संलग्न) का उपयोग करने का प्रस्ताव रखता हूं/रखते हैं। मैं/हम गुणता मूल्यांकन अनुसूची को आप द्वारा समय-समय पर निर्धारित अनुसूची के अनुरूप बनाने के लिए अपनी/हमारी प्रति में रूपान्तरण, संशोधन अथवा परिवर्तन करने का पुनः वचन देता हूं/देते हैं।

7. मैं/हम अनुज्ञप्ति मंजूरी की तारीख से लागू ब्यूरो द्वारा निर्धारित वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस देने के लिए करार करता हूं/करते हैं।

8. यदि ब्यूरो द्वारा कोई प्रारम्भिक पूछताछ की जाएगी तो मैं/हम अपने/हमारे अधिकार में की सभी समुचित सुविधाएं ब्यूरो को उपलब्ध कराने का करार करता हूं/करते हैं तथा मैं/हम उक्त पूछताछ का सारा व्यय, जो भी ब्यूरो द्वारा मांगा जाएगा, देने का करार करता हूं/करते हैं।

9. मैं/हम अनुरोध करता हूं/करते हैं कि मेरे/हमारे कारखाने का पहला मूल्यांकन दौरा————————(तिथि)—तक कर लिया जाए।

अथवा

मैं/हम पहला मूल्यांकन दौरा जैसे ही मैं/हम इसके लिए तैयार हूंगा/होंगे, करने के लिए उपयुक्त समय, तारीख आदि की तुरंत सूचना दूंगा/देंगे।

10. प्रमाणित किया जाता है कि मैंने/हमने पहले दिनांक————————को अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन किया था, जो, मंजूर नहीं की गयी।

11. मैं/हम वचन देते हैं कि आवेदन प्रपत्र में ऊपर दी गई सूचना असत्य पाई जाने पर आवेदन तुरन्त रद्द कर दिया जाए।

12. मुझ/हमें भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के अधीन किसी विनियम द्वारा दोषी करार नहीं दिया गया है और न ही मेरे/हमारे विरूद्ध कोई अभियोजन लम्बित है।

अथवा

भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के अधीन दोषसिद्धि/लम्बित अभियोजन का विवरण निम्नानुसार है :

13. मुझे/हमें भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के उल्लंघन में किए गए किसी कार्य के लिए चेतावनी/सलाह नहीं दी गई है।

अथवा

भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के उल्लंघन के लिए मुझे/हमें दी गई चेतावनी/सलाह का विवरण निम्नानुसार है :

——————————————————————————————

——————————————————————————————

14. मैं/हम अनुज्ञप्ति के मंजूर किए जाने की स्थिति में और इसके चालू रहने की अवधि में अनुज्ञप्ति के सभी निबन्धनों एवं शर्तों और उपर्युक्त अधिनियम के अन्तर्गत विहित विनियमों का अनुपालन करने का वचन देता हूं/देते हैं। लाइसेंस के निलम्बित अथवा निरस्त कर दिए जाने की स्थिति में मैं/हम अनुज्ञप्ति से सम्बन्धित सभी सुविधाओं का उपयोग करना तुरन्त बन्द करने और भारतीय मानक ब्यूरो को अनुज्ञप्ति और सम्बद्ध प्रलेख वापस करने का वचन देता हूं/देते हैं।

एक हजार नौ सा————————के————————मास के————————दिन हस्ताक्षरित

हस्ताक्षर————————

नाम————————

पदाभिधान————————

की ओर से————————

————————

प्रपत्र 4

[देखें विनियम 7(1)क (ख)]

सम्बद्ध भारतीय मानकों के अनुरूप गुणता-तंत्र प्रमाणन की अनुज्ञप्ति की मंजूरी के संबंध में आवेदक से प्रारम्भिक जानकारी प्राप्त करने की प्रश्नावली

1. कम्पनी के बारे में विवरण

1.1 कम्पनी का नाम

1.2 कारखाने/इकाई का पता ————————

टेलीफोन————————टेलेक्स————————

1.3 पंजीकृत कार्यालय का पता

टेलीफोन————————टेलेक्स ————————

1.4 इकाई का स्तर

बड़ा/लघु (देखें टिप्पणी)

टिप्पणी : कृपया आपके स्तर को प्रामाणिक ठहराने वाले मद्रा.निदे. तक. विकास/उद्योग महानिदेशालय का पंजीकरण पत्र संलग्न करें।

1.5 कृपया बतायें कि क्या इकाई किसी बड़े संगठन का भाग है ? यदि हां, तो मूल संगठन का नाम बतायें।

नाम ——————————————

पता——————————————

2. कर्मचारियों की संख्या

2.1 इकाई में कर्मचारियों की कुल संख्या बतायें/अपने कारखाने के ढांचे के अनुसार कर्मचारियों की संख्या विभागवार/शाखावार भी बताएं।

3. अन्य जानकारी

3.1 जिन उत्पादों अथवा प्रक्रमों के लिए अनुज्ञप्ति मांगी गयी है, उनके संवर्ग के सम्बन्ध में विवरण——————————

3.2 लागू गुणता-तंत्र मूल्यांकन अनुसूची

——————————————————————————————

3.3 मूल्यांकन और/अथवा पहले मंजूर किए गए लाइसेंस के बारे में विवरण

——————————————————————————————

3.4 गुणता-तंत्र सम्बन्धी किसी प्रलेखन के बारे में विवरण

——————————————————————————————

हस्ताक्षर——————————————

नाम ——————————————

पदाभिधान——————————————

के लिए और की ओर से ——————————————

प्रपत्र 5

[देखें विनियम 7(1) ग (म)]

भारतीय मानक ब्यूरो

गणता-तंत्र प्रमाणन के लिए अनुज्ञप्ति

अनुज्ञप्ति सं. ————————————

1. ब्यूरो, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) द्वारा उसे प्रदत्त शक्तियों के आधार पर——

की (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् अनुज्ञप्तिधारी कहा गया है), यहां अनसूची में विशेष रूप से उल्लिखित उत्पादों अथवा प्रसंस्करणों के सम्बन्ध में अधिकार और ब्यूरो के गुणतातंत्र प्रमाणन के अनुज्ञप्तिधारियों से सम्बन्धित रजिस्टर में दर्ज की जाने वाली अनुज्ञप्ति मंजूर करता है। इस अनुसूची की संख्या वही है जो अनुज्ञप्ति की है। अनुज्ञप्तिधारी ऐसे उत्पाद केवल ऊपर दिए गए पते पर और IS————————————में विहित गुणता-तंत्र के अनुसार बनाएगा।

2. यह अनुज्ञप्ति उपर्युक्त अधिनियम और इसके अन्तर्गत बनाये गये तथा अनुज्ञप्ति पर लागू नियमों और विनियमों के सम्बद्ध प्रावधानों के अनुसार मंजूर की गई है और अनुज्ञप्तिधारी उक्त नियमों और विनियमों का अनुपालन करने के लिए ब्यूरो को एतद्द्वारा वचन देता है।

3. यह अनुज्ञप्ति दिनांक————————से————————तक वैध होगी और इसका विनियमों में विहित रीति से नवीकरण किया जा सकेगा।

एक हजार नौ सौ————————के————————मास के————————दिन हस्ताक्षरित, मुहरांकित और दिनांकित

भारतीय मानक ब्यूरो की ओर से

अनुज्ञप्ति सं.————————की अनुसूची

जिसे जारी की गयी————————————

अनुसूची

उत्पाद/प्रक्रम जिनके सम्बन्ध में फर्म को गुणता-तंत्र प्रमाणन सम्बन्धी अनुज्ञप्ति मंजूर की गयी।

————————————————————————————

————————————————————————————

भारतीय मानक ब्यूरो की ओर से

[सं. बी आई एस/ई सी/आर ई जी/6]

लेफ्टि. जन. एच. लाल, महानिदेशक

टिप्पणी :—मूल अधिसूचना सा. का. नि. 10(अ) तारीख 6 जनवरी 1988 द्वारा प्रकाशित हुई।

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th August, 1991

G.S.R. 524 (E).—In exercise of the powers conferred by section 38 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Executive Committee of the Bureau of Indian Standards, with the prior approval of the Central Government hereby makes the following regulations to amend the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Bureau of Indian Standards (Certification) Amendment Regulations, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, (hereinafter referred to as the said Regulations), after regulation 2 at the end of the heading "MANNER, CONDITION, RATES OF FEE FOR GRANT AND RENEWAL OF LICENCE", the following brackets and words shall be added namely :—

"(EXCEPT FOR QUALITY SYSTEMS)"

3. In regulation 4 in sub-regulation (1) of the said regulations after the words "If the Bureau after a preliminary inquiry, is satisfied that the applicant", the following words shall be inserted, namely :—

"having regard to requisite skill, equipment, systems, resources, previous performance and antecedents relevant to the issuance of the licence".

4. After sub-regulation (1) of regulation 4 of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(1A) Where the application for a licence is made by a person, who has been convited under section 33 of the Act, he shall not be eligible to apply for a period of six months from the date of such conviction. The period of disqualification shall be determined by the Bureau having regard to the facts and circumstances of each case and it shall not exceed a period of one year."

5. After regulation 6 of the said regulations, the following heading shall be added, namely :—

"MANAGER, CONDITION AND FEES FOR GRANT AND RENEWAL OF LICENCE FOR QUALITY SYSTEMS."

6. In regulation 7, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(1) Quality System

A. Application for Licence —

(a) Every application for the grant of licence for Quality Systems certification shall be made to the Bureau in Form III, which shall be signed by the proprietor, partner or the Managing Director of the applicant firm or by any person authorised to sign declaration on behalf of the firm. The name and designation of the person signing the application shall be recorded legibly in the space set apart for the purpose in the application form.

(b) Every application for certificate shall be accompanied by a supplementary questionnaire duly filled in Form—IV. The application shall also be airompanied by a Quality Manual and Quality Plan as prepared by the applicant firm and the quality policy declared by the applicant firm. The prescribed application fee shall also accompany the application.

(c) The application form along with fee and other necessary documents submitted by the applicant shall be acknowledged and numbered by the Bureau in the order of priority according to the date of the receipt. The fee shall be non-refundable.

(d) After acknowledgement, the application shall be verified by the Bureau, and if it is in order, the applicant shall be informed of the intention of the Bureau to proceed with the application.

(e) If necessary, the Bureau shall provide to the applicant the information about the scheme and also obtain such other further information from him, if necessary.

(f) An application may be rejected if the applicant does not comply with one or more of the following requirements, —

(i) The application fee not accompanying with the application.

(ii) Application form is incomplete.

(iii) Annexures to the application are not clear. In addition, the Bureau may call for any supplementary information or documentary evidence from any applicant in support of or to substantiate any statement made by him in his application, within such time as may be directed by the Bureau.

(g) The reason for the rejection of the application shall be communicated to the applicant by the Bureau.

(h) The application for a licence by a firm which has been convicted under section 33 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 shall not be entertained for a minimum period of six months from the date of such conviction. The extent of the period of disqualification shall be determined by the Bureau having regard to the facts and circumstances of each case and it shall not exceed a maximum period of one year.

B. Assessment procedure,—

(a) If the application is in order, then the Bureau shall proceed as per cleauses (b) to (f).

(b) The Bureau may, if necessary, arrange a visit to the premises of the applicant to acquaint itself in size, nature of operation and his readiness for the assessment and the type of expertise required by the assessment team.

(c) The applicant is required to have a documented quality system which conforms to the relevant Indian Standard on quality system as supplemented by the relevant Quality Assessment Schedule. Before an assessment visit is made, a detailed appraisal of the applicant firm's quality system documentation for conformance with the relevant Indian Standard on quality systems shall be undertaken by the Bureau. The applicant shall then be notified about any significant omissions or deviations from the prescribed requirements to make suitable amendments prior to the assessment visit.

(d) The applicant shall ensure that,—

(i) all documentation relating to the quality system for which the licence is sought, including the Quality Manual and Quality Plan or its equivalent is made available to the Bureau ;

(ii) all relevant records relating to implementation of the Quality System are made available to the Bureau ;

(iii) the assessment team is permitted and assisted to undertake assessment of the Quality System ; and

(iv) responsibility to the Bureau for the quality system is clearly defined by appointing a designated person to ensure the prescribed quality systems procedures are observed.

(e) The assessment team shall have atleast one experienced assessor in the technology concerned as member. One member shall act as an assessment coordinator (lead assessor).

(f) The assessment shall involve an in-depth appraisal of the applicant firm's procedures for the conformance to the requirements prescribed by the Bureau. The applicant shall be required to demonstrate the practical application of the documented procedures. The assessment team shall identify the non-conformance and suggest corrective action to the applicant for rectification.

(g) Date (s) and time of the assessment visit shall be decided on mutual agreement between the parties (assessment team and the applicant).

C. Assessment fees.—

(a) Assessment fee depends upon the nature of the activities of the firm. The fee determined shall be intimated to the applicant atleast 10 days prior to the visit.

(b) All assessment and reassessment fee determined by the Bureau shall be borne by the applicant firm.

(c) If the application involved is in respect of more than one area of technology and for more than one licence, the assessment visit normally covers all aspects.

D. Factors for the grant of licence,—

(a) The assessment team after the assessment shall analyse the capability of the applicant to operate the Quality Systems Certification Scheme.

(b) The assessment team shall prepare a detailed report against each of the items or clauses given in the relevant Indian Standard on Quality Systems against which the assessment has been carried out. A copy of the report shall be sent to the applicant for his acceptance alongwith the Quality Assessment Schedule or Quality Plan document for the products which the applicant produces.

(c) The applicant shall produce evidence that corrective actions have been taken to meet all the relevant requirements within the time limits specified by the Bureau. The Bureau may undertake a full or partial reassessment or accept written declaration that corrective action has been taken, to be confirmed by the Bureau during a surveillance visit.

(d) When the Bureau is satisfied with the recommendations of the assessment team for grant of licence, the same shall be granted, as per Form—V. While making the recommendations, the team shall take into account the assessment made under sub-clause (a) to (c) of item-D and also the requisite skill, equipment, systems resources, previous performance and antecedents relevant to the issuance of the licence.

E. Undertaking—Prior to grant of licence, the applicant shall sign an undertaking to the effect that he will make no claim direct or implied that the licence to be granted relates to any products or processes other than those that will be set out in the licence and the Schedule.

F. Grant of licence for certification of quality systems,—

(a) The Bureau shall inform the applicant about the grant of licence.

(b) The Bureau shall provide a certificate for grant of licence in Form—V which shall be used by the licensee subject to the provision of item-K of sub-regulation (1) of Regulation 7.

(c) The licence shall be returned to the Bureau in the event of its being surrendered, not renewed, suspended or cancelled.

(d) The Bureau shall register the licence as having a quality system in accordance with the scheme's assessment requirements for the products or processes involved in manufacturing the product.

(e) The Bureau shall authorise the licensee to use, subject to the provisions of item-J, the Standard Mark as prescribed by the Bureau.

G. Licence fee,—

(a) The licence fee shall be determined by the Bureau from time to time which shall cover the cost of surveillance, regular reviews and administrative expense and shall be published in the official gazette in the form of a schedule.

(b) The annual licence fee for the first year shall be paid by the applicant at the time of grant of licence and thereafter, for each year the annual licence fee shall be payable in advance. No such fee, or part thereof shall be refunded.

(c) The licence shall be renewed once in three years. The renewal will be done by re-assessing the capabilities of the licensee, the fee of which shall be borne by the licensee.

H. Survillance and regular review,—

(a) The grant of licence shall be followed by surveillance visits. The frequency and extent of visits shall be determined by the Bureau.

(b) The surveillance visits may be without notice to the licensee to ensure that the systems and procedures already assessed, are being maintained.

(c) The special reassessment visit shall be necessary where a licensee fails to observe the conditions of the licence or where there have been significant changes in the organization of the licensee. The licensee shall be liable for the costs of such special visits.

I. Ceanges to the quality system,—

(a) The licensee shall inform the Bureau promptly about any intended changes to the Quality System or other changes which may affect conformance to the requirements prescribed by the Bureau.

(b) The licensee shall accept the decision of the Bureau as to whether the intended changes require re-assessmment or further investigation.

(c) The Bureau shall inform promptly any change in the Quality System procedures.

J. Use of Bureau's Standard Mark.—The licensee may use the standard mark only as authorised by the Bureau.

K. Publicity,—

(a) The Bureau shall maintain a list of licensees and make it available for public information.

(b) The list shall be updated periodically.

(c) The Bureau shall also bring out publications containing information regarding licensees.

(d) The licensee shall inform potential customers, purchasers or purchasing authorities, of the full and exact details of the licence.

(e) The licensee shall display the licence in his premises.

(f) The licensee shall make use of the Bureau's Standard Mark as authorised.

(g) The licensee shall state in documentation brochures or through advertising media that the organization or location to which the licence applies have been assessed and approved by the Bureau. In such advertisement the Indian Standard on Quality System for which a licence has been granted is to be stated and a higher level of approval than granted is not to be implied.

(h) A licensee who has been granted a licence for Quality System Certification shall not claim or imply that the product manufactured by him has been certified or approved by the Bureau unless he is holding a valid licence for that product under the recognized product certification scheme of the Bureau.

L. Obligations of the licensee.—A licensee on grant of certification for quality systems shall.—

(a) at all times comply with the requirements of the licence as set out therein and comply with these regulations or any amendments thereto ;

(b) only claim that he is holding a licence in respect of the capability which is the subject of the licence and which relates to the products or processes in accordance with the licence requirements ;

(c) not use the licence in any manner to which the Bureau may object and shall not make any statement concerning the authority of the Licensee's use of the licence which in the opinion of the Bureau may be misleading ;

(d) submit to the Bureau for approval the form in which he proposes to use his licence or proposes to make references to the licence ;

(e) upon suspension or termination of the licence, however determined, discontinue its use forthwith and withdraw all promotional and advertising matter which contains any reference thereto ;

(f) not make any change in the Quality System which form the basis for the grant of

a licence and which prevents his compliance with the Scheme without prior approval of the Bureau ;

(g) submit to the Bureau any amendments to the Quality Manual and Quality Plan ;

(h) document all changes made in the Quality System and make records of such changes available to Bureau's designated officers on request. A change in key personnel in relation to quality assurance and technological functions or senior management shall be notified to the Bureau by the licensee;

(j) permit access to a team appointed by the Bureau for purposes of assessment, audit or surveillance. The licensee shall give full details of all actions taken in response to field problems arising from allegationh of defects in products or processes covered in the licence and allow Bureau's officers access to all relevant records and documents for the purpose of verifying such details ;

(k) be required to produce evidence of continuing operations for the products or processes coveted by the licence. Licensee shall notify the Bureau in writing of discontinuance in such operations exceeding three months. Discontinuance of a licence in excess of six months or more may lead to cancellation of licence. In such cases, a new application shall be lodged with the Bureau and an assessment visit will be necessary prior to grant of a new licence ;

(l) pay all financial dues to the Bureau, in the manner prescribed by it, even for the period of discontinuance or suspension of licence.

M. Surrender of licence.—A licence may be surrendered by the licensee at any time in writing to the Bureau. In the case of surrender, the licensee shall return the licence with all the related documents to the Bureau.

N. Powers of the Bureau.—The Bureau may at its discretion under the provisions of section 15 of the Act,—

(a) Refuse to grant or renew a licence or extend its scope or cancel or alter so as to reduce the scope of the licence provided that the refusal, renewal, cancellation or alteration is a recommendation of the majority of the members of the Assessment Team as to which a decision by the Director General of the Bureau shall be conclusive. The refusal to renew or cancel a licence for failure to discharge the obligations under item-L, shall be based on the report of assessment|audit during surveillance and regular review. Such decisions shall be communicated to the applicant or licensee in writing.

(b) Any authorided officer of the Bureau shall be entitled to suspend a licence if there are sufficient grounds of non-compliance of the following,—

(i) if surveillance proves non-conformity to the relevant requirements but immediate termination is not considered necessary ;

(ii) if improper use of the licence, related documents, is not remedied to the Bureau's satisfaction ;

(iii) if there has been any contravention of the procedures set out by the Bureau ;

(iv) if the licencee fails to meet financial obligations to the Bureau ;

(v) on any other grounds specifically provided for under the procedures, rules or formainly agreed between the licence and the Bureau.

(c) Where a licence has been suspended or cancelled or has not been renewed on the expiry of the period of its validity, the licensee shall discontinue forthwith the use of the licence notwithstanding the pending of any appeal before the Central Government section 16 of the Act and shall return the licence and related documents to the Bureau.

(d) Where the licensee is unable, in a reasonable period of time, to rectify any deficiencies which make the licensee unable to comply with the requirements of this scheme, the licence may be cancelled. Cancellation of the licence in such case shall require the licensee to lodge a fresh application followed by the procedure prescribed in these regulations for the grant of a new licence.

O. Misuse of licence.—The licensee shall be deemed to have misused the licence, if he does not cease to display or otherwise use the licence and the Bureau's Standard Mark immediately after,—

(a) Surrender of licence, suspension or cancellation ;

(b) The licensee has made a change to its quality System which has not been accepted by the Bureau and which could reasonably be expected to affect the licensee's qualification for licence ;

(c) The licensee has failed to implement changes as advised by the Bureau.

(d) Any other circumstances arising which could reasonably be expected to affect adversely the Quality System of the licensee.

P. Appeals.—Appeals against any decision of the Bureau shall be made under the provisions of section 16 of the Act, and the rules made thereunder.

7. In Form-I, of the said regulations, after 11 (b) the following shall be inserted, namely :—

"(c) I|We have not been convicted under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 in

any court of law and neither any prosecution is pending.

or

The details of convictions|prosecutions pending under the said Act are as under :

.....

.....

(d) I|We have never been warned|advised by the Bureau of Indian Standards for any of our actions violative of the Bureau of Indian Standards Act.

or

The detailh of warning|advice received by me|us for violating the Bureau of Indian Standards Act are as under :

.....

.....

FORM—III

[See regulation 7(1)A(a)]

APPLICATION FOR GRANT OF LICENCE TO USE THE STANDARD MARK FOR QUALITY SYSTEMS CERTIFICATION UNDER THE BUREAU OF INDIAN STANDARDS ACT, 1986

THE DIRECTOR GENERAL
BUREAU OF INDIAN STANDARDS
MANAK BHAVAN
9 BAHADUR SHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI 110002

1. I/We carrying on business at.....
.....
(full business address) under the style of.....
(full name of individual or firm) hereby apply for grant of licence for Quality Systems Certification under the BUREAU OF INDIAN STANDARDS ACT, 1986, in respect of Quality Systems in accordance with IS .....
..... The description of products/range of products/processes are detailed below:

2. The above products/range of products/processes are rendered by our factory.....
(Name of factory) on the premises situated at.....
.....(address).

3. (a) The composition of the top Management of my/our factory is as follows:

Sl. No.	Name	Designation

(b) I/We undertake to intimate to the Bureau any change in the above composition as soon as it takes place.

4. I/We hereby enclose an attested copy/photo copy of the Certificate of incorporation issued by the Registrar of Firms or Societies/Directorate General of Technical Development/Director of Industries or similar other documents authenticating the name of firm and its manufacturing premises.

5. Details of Technical Personnel employed:

Sl. No.	Name	Qualification	Job

6. In order to ensure quality systems operation in the product-/range of products/processes that we manufacture/render, I/We propose to use the Schedule on Quality Assessment as prepared by the Bureau.

OR

I/We propose to use the Quality Manual and the Quality Plan prepared by us and to be approved by BIS (copy enclosed). I/We further undertake to modify, amend or alter my/our copy of the Schedule on Quality Assessment to bring it in line with that which may be specified by you from time to time.

7. I/We agree to pay the Annual licence fee prescribed by the Bureau applicable from the date of the grant of the licence.

8. Should any initial enquiry be made by the Bureau, I/We agree to extend to the Bureau all reasonable facilities at my/our command and I/We also agree to pay all expenses of the said enquiry, as and when required by the Bureau.

9. I/We request that the first assessment visit of my/our factory may be carried out by..... (indicate date).

OR

I/We shall intimate the time, date, suitable for carrying out the first assessment visit as soon as I/We are ready for the same.

10. Certified that I/We had earlier applied for a licence on..... .....which could not mature.

11. I/We undertake that should any of the information supplied above in the application form is found to be wrong, the application may be rejected forthwith.

12. I/We have not been convicted under the Bureau of Indian Standards Act in any court of law and neither any prosecution is pending.

OR

The details of convictions/prosecutions pending under the BIS Act are as under:

.....

13. I/We have never been warned/advised by BIS for any of our actions violative of the Bureau of Indian Standards Act.

OR

The details of warning/advice received by me/us for violating the BIS are as under:

....
.....

14. Should the licence be granted and as long as it will remain operative I/We hereby undertake to abide by all the terms and conditions of the licence and the regulations prescribed under the aforesaid Act. In the event of the licence being suspended or cancelled, I/We also undertake to cease with immediate effect to use all the facilities to us in respect of the licence and return the licence and related documents to the Bureau.

Dated this.....day of.....One thousand nine hundred and..... .

Signature .....
Name.....
Designation .....
For and on behalf of.....
.....

FORM —IV

[See regulation 7(1)A(b)]

QUESTIONNAIRE FOR OBTAINING PRELIMINARY INFORMATION FROM THE APPLICANT FOR OBTAINING LICENCE FOR CERTIFICATION OF QUALITY SYSTEMS AGAINST RELEVANT INDIAN STANDARDS

1. DETAILS OF THE COMPANY

1.1 Name of the Firm

1.2 Address of the Factory/Unit.....
Telephone..... Telex .....

1.3 Address of the Registered Office

Telephone .....Telex .....

1.4 Status of the Unit Large/Small (see Note)

Note: Please enclose Registration letter from DGTD/Directorate of Industries authenticating your status.

1.5 Indicate whether the unit is a part of some larger organization, if so give the name and address of the holding organization

Name : .....

.....

Address :.....

.....

2. NUMBER OF EMPLOYEES

2.1 Indicate the total number of employees in the unit. Also indicate the number of employees according to the structure of the factory either department/division wise as is applicable to the structure of your organization.

3. OTHER INFORMATION

3.1 Description of category of products or processes for which licence is sought.....

3.2 Quality System Assessment Schedule applicable

.....

3.3 Details fof Assessment and/or licence already held

.....

3.4 Details of any Quality System Documentation.....

Signature .....

Name .....

Designation .....

For and on behalf of.....

.....

FORM—V

[See regulation 7(1)D(d)]

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

Licence for the Quality Systems Certification

Licence No.....

1. By virtue of the power conferred on it by the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Bureau hereby grants to.....

(hereinafter called the Licensee) the right and licence to be listed in the Bureau's register of Licensees of Quality System Certification in respect of the products or processes particularly described in the schedule hereto, bearing the same number as this licence. Such products shall be manufactured by the Licensee at only the address(es) given above, and under the Quality System in accordance with IS.....

2. The licence is granted subject to the relevant provisions of the above Act and the rules and regulation made thereunder governing the licences referred to above, and the Licensee hereby covenants with the Bureau duly to observe with the said Rules and Regulations.

3. This licence shall be valid from.....to.....and may be renewed as prescribed in the Regulations.

Signed, Sealed and Dated this.....day of.....One Thousand Nine Hundred and

for BUREAU OF INDIAN STANDARDS

Schedule to licence No.....

Issued to .....

SCHEDULE

Products/processes with respect to which the firm has been granted the licence for Quality Systems Certification:

.....

.....

for BUREAU OF INDIAN STANDARDS

[No. BIS/EC/REG/6]

Lieut Gen. H. Lal, Director General

Note :— The Principal notification was published vide No. G.S.R. 10(E) dated 6th January, 1988.

2024 GI/91—3

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1991